AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

my city
शुक्रवार • 25.11.2022
अमर उजाला 5

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आर्किटेक्चर कॉलेज में रंगोली बनातीं छात्राएं। - संवाद

भविष्य का सपना संजोने पहुंचे कॉलेजों के छात्र-छात्राएं

लखनऊ। लविवि के स्थापना दिवस के मद्देनजर बृहस्पतिवार और शुक्रवार को संबद्ध कॉलेजों, इंटर कॉलेजों व आमजन के लिए लविवि की सेंट्रल लाइब्रेरी व म्यूजियम खोले गए हैं। बृहस्पतिवार को काफी संख्या में डिग्री कॉलेजों के विद्यार्थी यहां पहुंचे। लविवि में शिक्षा ग्रहण करने का सपना लिए पहुंचे इन छात्र-छात्राओं ने यहां की समृद्ध लाइब्रेरी, सैकड़ों साल पुराने पेपर, टॉपर्स की कॉपियां व जुलोजी आदि विभागों के म्यूजियम देखे। (माई सिटी रिपोर्टर)

102 साल से जवां... मैं लखनऊ विश्वविद्यालय हूं

मैं लखनऊ विश्वविद्यालय हूं...। वही जिसकी नींव एक मई 1864 में अंग्रेजी शासनकाल में कैनिंग कॉलेज के नाम से पड़ी और 25 नवंबर 1920 में मैंने विश्वविद्यालय का रूप ले लिया। नवाबों की नगरी में इल्म की रोशनी फैलाने का मंसूबा लेकर शुरू हुआ सफर आज रफ्ता-रफ्ता 102 साल का हो गया है।

मैं आपको बताना चाहता हूं कि बदलते वक्त के साथ मैंने न जाने कितने उतार-चढ़ाव देखे। आज भी जवां हूं। यहीं से अपने छात्रों को अफसर, वकील, जज, इंजीनियर, खिलाड़ी, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और राजनेता बनते देखा। हर क्षेत्र में मेरे छात्रों ने देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मेरा नाम रोशन किया। मेरे जन्म की शुरुआत में सिर्फ दो कॉलेज आईटी गर्ल्स कॉलेज व केजीएमसी थे। यह कारवां बढ़ता गया और राजधानी के 175 से अधिक कॉलेजों के साथ पिछले साल चार जिलों सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर के भी कॉलेज मुझसे जुड़ गए। इसके साथ ही संबद्ध कॉलेजों की संख्या आज 550 के करीब पहुंच गई है। नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग के बाद अब मैं अंतरराष्ट्रीय फलक पर छाने के लिए कवायद शुरू कर चुका है।

मुझे इस बात का फख्र है कि आज लखनऊ विवि और संबद्ध कॉलेजों को मिलाकर मेरे पास सवा लाख छात्र-छात्राएं हैं। अभी ये कारवां और भी आगे बढ़ेगा। अभी बहुत सी नई उपलब्धियां जुड़ेंगी। लाखों छात्र जुड़ते रहेंगे। बीती पीढ़ियों को मुझ पर गर्व है तो आने वाली नई पौध का मैं हमेशा खुले दिल से स्वागत करता रहूंगा। छात्रों के भविष्य को संवारने की मेरी कोशिश आगे भी जारी रहेगी...। अपने जन्मदिन पर साहिर लुधियानवी की दो पंक्तियां आपको सौंपता हूं...

रिश्तो का रूप बदलता है, बुनियादें खत्म नहीं होतीं।
वक्त का पहिया चलता है, मियादें खत्म नहीं होतीं।

1864 में स्थापित कैनिंग कॉलेज ने 56 साल बाद लिया था विश्वविद्यालय का स्वरूप

1920 में हुई थी लखनऊ विवि की स्थापना

550 कॉलेज संबद्ध हैं लविवि के साथ

स्थापना दिवस के मद्देनजर रिहर्सल करतीं छात्राएं। - संवाद

लविवि के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर टैगोर लाइब्रेरी व म्यूजियम पहुंचे कॉलेजों की छात्र-छात्राएं। - संवाद

दूरस्थ शिक्षा से भी पढ़ाई कराएगा लविवि : कुलपति

102 साल पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय ने इतिहास रचते हुए नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग लाकर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ दिया। विश्वविद्यालय अपने 103वें साल में नए जोश, नई उमंग व नए रास्ते पर चलने के संकल्प के साथ शुक्रवार को प्रवेश कर रहा है। इसी के साथ विवि सत्र 2023-24 में ऑनलाइन कोर्सों के साथ ही दूरस्थ शिक्षा से भी पठन-पाठन की शुरुआत करेगा।

लखनऊ। लविवि के 102वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमने नैक में बेहतर किया। अब अगला लक्ष्य एनआईआरएफ व क्यू एशिया रैंकिंग है। अभी तक हमने पांच साल के डाटा को एकत्र कर उसके आधार पर काम किया। अब हर साल के काम और डाटा को दिखाने व प्रयोग करने का समय है। एजुकेशनल रिफॉर्म के बाद अब विद्यार्थियों को बेहतर प्लेसमेंट दिलाने व ऑनलाइन एजुकेशन की ओर हम बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि नए सत्र में ऑनलाइन कोर्सेज की शुरुआत की जाएगी। इसी के साथ दूरस्थ शिक्षा में भी जाएंगे। प्रो. राय ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से न सिर्फ ज्यादा लोगों तक हमारी पहुंच होगी बल्कि विवि कीवित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा। ऑनलाइन क्लासेज के लिए सिलेबस और विशेषज्ञ शिक्षकों की जरूरत होगी। पीपीटी व स्टडी मैटेरियल से शुरुआत करेंगे। नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग के बाद इसके लिए यूजीसी से मान्यता का भी झंझट नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र का भी जोर ग्रॉस इनरोलमेंट रेशियो (जीईआर) बढ़ाने पर है। अभी यह 27 फीसदी है, इसे 2035 तक 50 फीसदी करने का लक्ष्य है। (माई सिटी रिपोर्टर)

102वां स्थापना दिवस आज

कुलपति बोले-
- ऑनलाइन कोर्सों के साथ नए सत्र से होगी शुरुआत
- नैक में मिली सफलता, एनआईआरएफ, क्यूएस रैंकिंग का लक्ष्य

सीतापुर के राजकीय कॉलेज में शुरू करेंगे कक्षाएं, फार्मेसी की नई बिल्डिंग भी लक्ष्य

प्रो. राय ने कहा कि हम सीतापुर में मिले राजकीय कॉलेज में कक्षाएं शुरू करेंगे। कोर्स एकेडमिक काउंसिल से पास है। अपनी एग्रीकल्चर फैकल्टी शुरू करने की भी प्रक्रिया चल रही है। वहीं फार्मेसी संस्थान को नई बिल्डिंग मिलेगी तो इसका और विस्तार किया जा सकेगा।

छह पूर्व छात्रों को करेंगे सम्मानित : स्थापना दिवस को लेकर विवि को दुल्हन की तरह सजाया गया है। शुक्रवार शाम पांच बजे से मुख्य कार्यक्रम होंगे। इसमें पूर्व छात्रों व वर्तमान में राष्ट्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष रितुराज अवस्थी, मुख्य सचिव महाराष्ट्र मनु कुमार श्रीवास्तव, निदेशक फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद अनिल भारद्वाज, अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल, आईएएस जयंती प्रसाद व वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व वरिष्ठ पत्रकार शशि शेखर होंगे।

NBT PAGE 4

विदेश में भी खुलेंगे एलयू के कैंपस

पहले चरण में बांग्लादेश, नेपाल और भूटान पर एलयू प्रशासन की नजर

दूतावास के जरिए भेजा जाएगा प्रस्ताव

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू अब विदेश में भी अपने कैंपस खोलने की तैयारी में है। इन कैंपस में कौन से कोर्स शुरू किए जाएं, इस पर भी विचार चल रहा है। माना जा रहा है कि इसके लिए जल्द ही आसपास के देशों में दूतावास के जरिए प्रस्ताव भेजे जाएंगे।

लखनऊ विवि को हाल ही में नैक की ए डबल प्लस रैंकिंग मिली है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेडिंग बढ़ने के बाद इस साल दाखिले के लिए विदेशी छात्रों के आवेदन भी बढ़े हैं, लेकिन यहां सीटें सीमित हैं। ऐसे में एलयू प्रशासन दूसरे देशों में भी कैंपस खोलने पर विचार कर रहा है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पहले चरण में बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में कैंपस खोलने की योजना है। इसके लिए तीनों देशों में भारतीय दूतावास के जरिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। तीनों देशों में कैंपस के लिए जगह मिलने पर एमओयू भी किया जाएगा।

मैनेजमेंट कोर्स की मांग

एलयू वीसी ने बताया कि आसपास के देशों में मैनेजमेंट कोर्सों की डिमांड सबसे ज्यादा है। इस कारण शुरुआत में मैनेजमेंट कोर्स शुरू किए जाएंगे। फिर मांग के मुताबिक दूसरे कोर्स शुरू होंगे। वीसी ने बताया कि विदेश के एलयू कैंपस में प्रोफेसर भी भेजे जाएंगे। इससे एलयू की अंतरराष्ट्रीय छवि बनेगी।

एलयू वीसी ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह दो भाग में होगा। पहले भाग में पुराछात्रों का सम्मान होगा।

डिस्टेंस लर्निंग भी शुरू होगी

विदेश में कैंपस खोलने के साथ एलयू अब डिस्टेंस लर्निंग कोर्स भी शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए ऑनलाइन कंटेंट तैयार किए जा रहे हैं। वीसी ने बताया कि अनुभवी शिक्षकों के जरिए डिस्टेंस लर्निंग के कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके साथ कैंपस को पूरी तरह से वाईफाई करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

आज भी खुलेगी टैगोर लाइब्रेरी

एलयू का स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया जाएगा। इससे पहले गुरुवार को हुई प्रेसवार्ता में एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह दो भागों में होगा। पहले भाग में विशिष्ट पूर्व छात्रों का वक्तव्य होगा। उनका सम्मान किया जाएगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि के तौर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मौजूद रहेंगे। इस मौके पर टैगोर लाइब्रेरी और सभी संग्रहालय खुले रहेंगे। बाहरी लोग भी लाइब्रेरी और संग्रहालय देख सकेंगे।

ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी से डिजिटल डिग्री जारी करेगा एकेटीयू

■ एनबीटी, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि (एकेटीयू) अपना 20वां दीक्षांत समारोह शनिवार को मनाएगा। इस बार नए तकनीक युग का पालन करते हुए विश्वविद्यालय ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से अपने स्नातक छात्रों को डिजिटल डिग्री वितरित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक को अपनाने की पहल की है। एकेटीयू हर साल 50,000 से अधिक छात्रों को स्नातक कराता है।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र ने बताया कि ये डिजिटल डिग्रियां स्व-संप्रभु पहचान, सत्यापन योग्य साख, सूचना के चयनात्मक प्रकटीकरण और शून्य-ज्ञान प्रमाण प्रणाली की विशेषताओं को समेटे हुए हैं जो उन्हें दुनिया भर में आसानी से सत्यापित करने योग्य बनाती हैं। इसमें पहचान डेटा को कहीं सर्वर में संग्रहीत करने की आवश्यकता नहीं है, यह केवल पहचान धारक के डिजिटल वॉलेट में मौजूद होना चाहिए। इसमें उपयोगकर्ता यह भी तय करता है कि उसका पहचान डेटा कब, किसे और कितना सत्यापनकर्ता को भेजा जा सकता है।

एकेटीयू का दीक्षांत समारोह कल, हर साल करीब 50,000 छात्रों को स्नातक कराता है एकेटीयू

आईआईटी कानपुर के दीक्षांत में पीएम ने किया था लॉन्च

कुलपति के मुताबिक, इस तकनीक को आईआईटी कानपुर में विकसित करने के साथ ही इसके इनक्यूबेटेड स्टार्टअप ट्रेशियल द्वारा उत्पादित किया गया था। इसे पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आईआईटी कानपुर के 54वें दीक्षांत समारोह में लॉन्च किया गया था। वर्तमान में इसका उपयोग देश भर में कई सरकारों, शैक्षणिक और निजी संगठनों द्वारा किया जा रहा है। डिजिटल डिग्रियां पद्मश्री प्रो. मनिंद्र अग्रवाल और प्रो. संदीप शुक्ला के नेतृत्व में नेशनल ब्लॉकचेन प्रॉजेक्ट के तहत ट्रेशियल द्वारा किए गए अधिक महत्वपूर्ण पहल और विकास का एक हिस्सा हैं।

एलयू के दो छात्रों का ओएनजीसी ने किया चयन

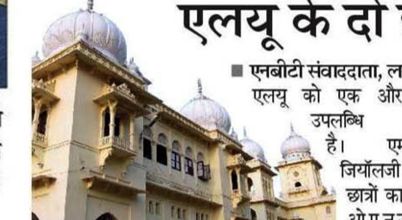

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एमएससी जियोलाजी के दो विद्यार्थियों को मिलेगा 23.61-23.61 लाख रुपये सालाना पैकेज

एलयू को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। एमएससी जियोलॉजी के दो छात्रों का चयन ओएनजीसी में हो गया है। दोनों को लाखों रुपये का सालाना पैकेज मिलेगा। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि उन्होंने ओएनजीसी के पास एमएससी जियोलॉजी के कई विद्यार्थियों के नाम ओएनजीसी के पास भेजे थे। ओएनजीसी ने इनमें से 12 विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के लिए बुलाया था। गुरुवार को ओएनजीसी के 7 सदस्यों की टीम प्लेसमेंट के लिए एलयू पहुंची थी। ओएनजीसी ने प्लेसमेंट की प्रक्रिया की। इस दौरान एमएससी जियोलॉजी के दो विद्यार्थियों का चयन ओएनजीसी ने किया। सीपीसी की निदेशक के मुताबिक दोनों विद्यार्थियों को 23.61-23.61 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा। उनका कहना है कि एलयू की यह बड़ी उपलब्धि है।

i-NEXT PAGE 4

अतिथि कक्ष द्रोणाचार्य के नाम पर

हबीबुल्लाह छात्रावास में कमरा नंबर 79 को अतिथि कक्ष के रूप में किया गया है तैयार

LUCKNOW (24 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय के हबीबुल्लाह छात्रावास में सभी सुविधाओं के साथ तैयार किए गए अतिथि कक्ष का नाम तय हो गया है. कमरा नंबर 79 का नाम द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष होगा. पूर्व और वर्तमान छात्रों से बातचीत के बाद नाम पर यह सहमति बनी है.

दिसंबर में होगा शुभारंभ

दिसंबर के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन होने की योजना है. जल्द ही तिथि तय होगी. इसके अलावा अतिथि कक्ष बनने की तैयारी वाला कमरा नंबर 80 का नाम एकलव्य रखने पर मंथन चल रहा है. बीते दिनों बस्ती के हरैया विधानसभा के विधायक अजय सिंह ने अतिथि कक्ष के लिए 51 हजार रुपये तक का खर्च वहन करने की घोषणा की थी. कमरे में वाई-फाई की सुविधा पहले ही है.

100 कमरे बने हैं

हबीबुल्लाह छात्रावास में 100 कमरे बने हैं. प्रोवोस्ट डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री बताते हैं कि अभी तक छात्रावास में कोई भी अतिथि कक्ष नहीं था. छात्रों के माता-पिता मिलने आते हैं तो उनके रुकने के लिए कोई जगह नहीं थी. अब प्रथम तल पर कमरा नंबर 79 को अतिथि कक्ष के रूप में तैयार किया जा रहा है.

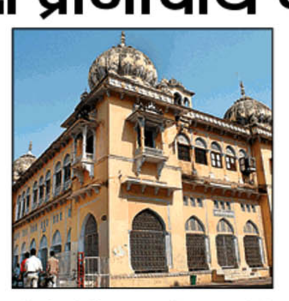

कई सुविधाएं मौजूद

पूर्व छात्र अजय सिंह आदित्य ने इसका खर्च वहन किया है. उन्होंने छात्रावास के कमरा नंबर चार में रहकर पढ़ाई की है. कमरे में वाई फाई, सोफा, सेंटर टेबल, डबल बेड सहित कई सुविधाएं हैं. छात्रों के माता-पिता या फिर 15-20 साल या उससे पुराने एल्युमिनाई को रुकने की अनुमति दी जाएगी. इसके एवज में 200 रुपये शुल्क लगेगा. गौरतलब है कि हबीबुल्लाह छात्रावास का निर्माण वर्ष 1938 में शुरू हुआ था.

सांस्कृतिक उत्सव मेधा संवर्धन आज से

श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में शुक्रवार से दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'मेधा संवर्धन' की शुरुआत होगी. इसमें स्टूडेंट्स के बीच एकल गायन, सुगम संगीत, एकल नृत्य, शास्त्रीय गायन, स्वरचित काव्य, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक आदि प्रतियोगिताएं होंगी. कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे होगा. प्रिंसिपल प्रो. मीता साह ने बताया कि 26 नवंबर को मेधा संवर्धन में उत्कृष्ट प्रतिभागिता करने वाले स्टूडेंट्स को समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. इसके अलावा 28 व 29 नवंबर को अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता दिव्यांकुर 2022 का आयोजन भी होगा, जिसमें महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के लगभग 500 स्टूडेंट्स प्रतिभाग करेंगे. पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सिन्हा उपस्थित रहेंगे.

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के दो छात्रों को ओएनजीसी में बड़ा पैकेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए डबल प्लस ग्रेड मिलने के बाद बड़ी कम्पनियां प्लेसमेंट के लिए आने लगी हैं। गुरुवार को पहली बार ओएनजीसी की टीम पहुंची। सात सदस्यीय टीम ने भूगर्भ विभाग के 16 छात्रों का साक्षात्कार लिया। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि दो छात्रों को करीब सालाना 23.61 लाख के पैकेज पर चयनित किया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू की स्थापना का जश्न आज, विभूतियों का होगा सम्मान

एलयू स्थापना दिवस 25 नवम्बर

लखनऊ। राजा महमूदाबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान (खान बहादुर) के दिमाग की उपज लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी स्थापना का 102वां जलसा शुक्रवार को मनाने जा रहा है। जलसे में कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। कई पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा जो आज अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख पदों पर हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस बार स्थापना दिवस पर सभी का जोश दोगुना है। विश्वविद्यालय को नैक ग्रेडिंग में ए-प्लस प्लस ग्रेड मिला है। इसका जश्न भी मनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने पूरी तैयारी कर ली है। शुक्रवार को शाम पांच बजे स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करेंगे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और हिन्दुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर खास मेहमान होंगे।

शताब्दी वर्ष को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया था: कुलपति ने बताया कि दो साल पहले एलयू स्थापना के शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधित किया था।

102 वां जलसा लखनऊ विवि मनाएगा

05 बजे शाम को होगी स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत

इन हस्तियों का सम्मान

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर न्यायाधीश रितुराज अवस्थी, महाराष्ट्र के मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव, पत्रकार आशुतोष शुक्ल, हिन्दी साहित्य, भाषा और भाषा प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ साहित्यकार जयंती प्रसाद, वैज्ञानिक अनिल भारद्वाज, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल सम्मानित होंगे।

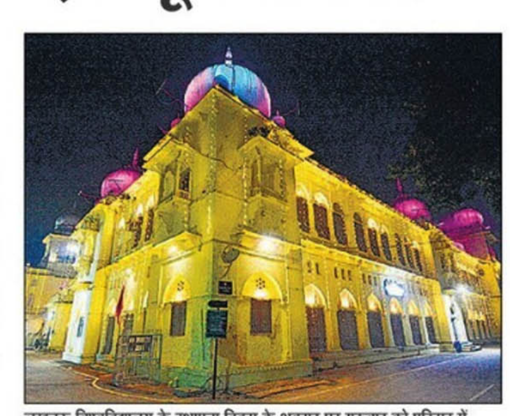

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को परिसर में दिनभर आयोजन की तैयारियों की गईं। इसी क्रम में इमारत को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। शुक्रवार को परिसर में विभिन्न आयोजन होंगे।

अगले साल ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू होंगे

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्थापना दिवस पर ही विश्वविद्यालय अपनी कुछ नई गतिविधियों और योजना की रूपरेखा भी तैयार करेगा। मसलन अगले साल से ऑनलाइन मोड नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस अवसर पर कुछ अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कई विभाग और टैगोर लाइब्रेरी खुली रहेगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय के अलावा बाहरी छात्र भी परिसर का भ्रमण कर सकते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

'बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर है लखनऊ विश्वविद्यालय'

• प्रो. आलोक कुमार राय

102 साल पुराने ऐतिहासिक लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति होने का मुझे गर्व है। वर्ष 1921 में स्थापित यह विश्वविद्यालय सदैव एक ऐसे समतामूलक समाज की स्थापना के लिए प्रयत्नशील रहा है, जो निरंतर आर्थिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर बना रहे। अपने शिक्षण, शोध एवं नवाचार के माध्यम से राज्य ही नहीं, पूरे राष्ट्र के सर्वोच्च अकादमिक संस्थानों में अपना स्थान सुनिश्चित करना निश्चय ही एक गर्व का विषय है। अपने 10 संकायों एवं 47 विभागों के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय ने नैक ए प्लस प्लस ग्रेड से लेकर कुछ वर्षों में तमाम उपलब्धियां अर्जित की हैं।

वर्ष 2017 में 127 महाविद्यालयों के साथ कार्य करने से लेकर आज यह विश्वविद्यालय 545 कालेजों का संचालन कर रहा है। सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के छात्र-छात्राएं भी अब इस विश्वविद्यालय के शैक्षिक वातावरण का लाभ उठा रहे हैं। क्षेत्र एवं संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के बाद भी अपनी शिक्षण की गुणवत्ता को बनाए रखना और उसका निरंतर परिष्कार करना हमारी एक बड़ी चुनौती रही है। इसे विश्वविद्यालय ने सकुशल पार किया। हमारा उद्देश्य सैद्धांतिक शिक्षा प्रदान करना मात्र ही नहीं रहा, बल्कि रोजगार के उचित अवसर प्रदान करते हुए एक नैतिक, अनुशासित व जिम्मेदार नागरिक का निर्माण भी महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है। यही कारण है कि जहां एक ओर हमने अपनी आने वाली पीढ़ी को 'सांस्कृतिकी' नामक सांस्कृतिक निकाय के द्वारा अपनी परंपराओं, कलाओं एवं सौंदर्यबोध से जोड़कर रखा, वहीं दूसरी ओर 'जेंडर सेंसीटाइजेशन' नामक निकाय की स्थापना कर उन्हें लैंगिक समानता के प्रति जागरूक बनाने का भी प्रयास किया।

कोविड काल में भी इस विश्वविद्यालय ने संयम के साथ आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए शिक्षणकार्य को अनवरत बनाए रखा। हमारे शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों ने भी इस आपदाकाल में अपने दायित्व को समझते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कई छात्रावासों ने तो आपातकाल में भोजन व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के यथासंभव प्रबंध भी किए।

अपने संपूर्ण पाठ्यक्रम में सुधार करते हुए विश्वविद्यालय ने स्वयं को न सिर्फ और अधिक प्रासंगिक बनाया, बल्कि अनेकानेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू करके अपने अकादमिक संसाधनों को पहले से अधिक अंतरविषयी, व्यावहारिक व रोजगारपरक बनाया। अपने अकादमिक संसाधनों को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए कई नए संकायों का गठन किया गया। पुस्तकालय व शैक्षणिक व्यवस्था को भी पूर्णतः डिजिटलाइज किया गया। यही कारण है कि हम राष्ट्रीय शिक्षा योजना (एनईपी-2020) के अनुरूप पाठ्यक्रम का संचालन करने वाले पूरे राष्ट्र के प्रथम विश्वविद्यालय बन पाने में सफल हुए।

विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड के साथ इंडिया टुडे की ओर से पूरे भारत में 21वां विश्वविद्यालय एवं एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में 'राज्य के शीर्ष संस्थानों' में स्थान प्राप्त किया। क्यूएस तथा टाइम्स रैंकिंग में भी स्थान बनाना प्रतिष्ठा का विषय रहा। लखनऊ विश्वविद्यालय आगामी पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है। भविष्य में अपनी संरचना को तकनीकी एवं शैक्षिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के प्रयास जारी हैं। 'चरैवेति-चरैवेति' के भाव को आत्मसात करते हुए यह विश्वविद्यालय सफलता के पथ पर चलता रहे एवं भविष्य में नित नवीन ऊंचाइयों को प्राप्त करे, यही हम सबकी मंगलकामना है।

(लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति हैं।)

377 विद्यार्थियों से शुरू सफर 2.60 लाख तक पहुंचा

यूं तो लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना 25 नवंबर, 1920 में हुई थी, लेकिन इसके सफर की शुरुआत कैनिंग कालेज के रूप में 155 साल पहले वर्ष 1864 में हुई थी। वर्ष 1865 में यहां 377 विद्यार्थी थे। वर्ष 1866 में डिग्री कक्षाओं की शुरुआत हुई। इसी कैनिंग कालेज को 1920 में विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। जुलाई 1921 में यहां पढ़ाई शुरू होने के बाद विद्यार्थियों की संख्या सैकड़ों, फिर हजारों और अब 102वें साल में लाखों तक पहुंच गई। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय एवं डिग्री कालेजों को मिलाकर छात्र संख्या का आंकड़ा दो लाख 60 हजार है। इस लंबे सफर में विभागों, संकाय, शिक्षकों से लेकर शोध कार्यों में भी इजाफा हुआ है।

वर्तमान में लवि के विभाग

फैकल्टी	07
विभाग	47
संस्थान/केंद्र	17

लवि से जुड़े कालेज

1921	दो कालेज – आईटी कालेज, किंग जार्ज मेडिकल कालेज
1946	पांच कालेज
2017	127 कालेज
2019	19 अनुदानित, चार राजकीय कालेज, 147 प्राइवेट कालेज : कुल 176
2022	34 अनुदानित, 14 राजकीय कालेज, 497 प्राइवेट कालेज, कुल : 545

पांच साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा शोध का ग्राफ

लवि के उच्च स्तरीय शोध कार्यों में लगातार वृद्धि हुई है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लगातार दूसरी बार स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की ओर से जारी दो फीसद टाप वैज्ञानिकों की सूची में विश्वविद्यालय के चार शिक्षकों के नाम भी शामिल हुए। पांच साल से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित शोध पत्रों में लगातार इजाफा हो रहा है।

वर्ष	छात्र संख्या
1865	377
1866	518
1867	533
1868	621
1869	666
2020	1,35,000
2022	2,60,000

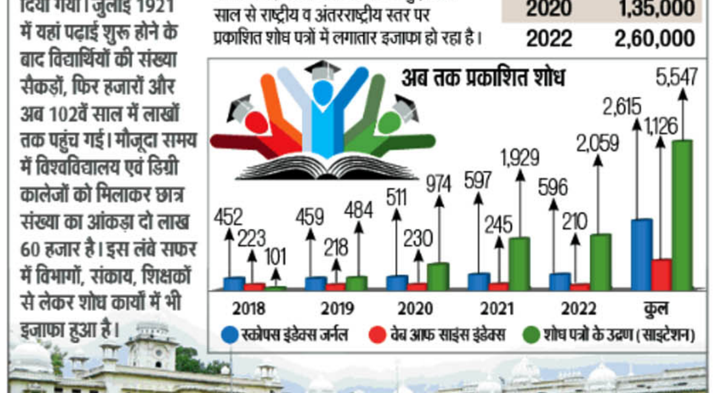

इन्फोग्राफ़: जागरण ग्राफिक्स

स्थापना दिवस को यादगार बनाएगा लखनऊ विश्वविद्यालय

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय अपने 102 साल के सफर को आज यादगार बनाएगा। स्थापना दिवस का शिक्षक, छात्र और पुरातन छात्र सबको बेसब्री से इंतजार है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को पत्रकारवार्ता में बताया कि स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संग अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने वाले छह पुरातन छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। पुरातन छात्र अपने अनुभव भी साझा करेंगे। स्थापना दिवस को खास बनाने के लिए इस बार अन्य कालेजों के छात्रों को भी अलग-अलग शेड्यूल के हिसाब से बुलाया गया है। विश्वविद्यालय के सभी छह म्यूजियम खोल दिए गए हैं। कुलपति ने बताया कि नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड लेने के बाद अब कोशिश वर्ल्ड रैंकिंग में जगह बनाने की है। वर्ष 2023 में आनलाइन प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए कंटेंट तैयार किया जा रहा है। छात्रों को आधुनिक और रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए पाठ्यक्रम भी अपडेट किए गए हैं। ओवरसीज कैंपस के लिए कहा कि इसके लिए अभी पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित फैकल्टी व कई अन्य सुविधाओं की जरूरत पड़ेगी। स्थापना के 100 साल के कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया था।

नैक ए प्लस प्लस ग्रेड से लेकर शिक्षकों और शोध कार्यों से पाईं तमाम उपलब्धियां, अब...

लखनऊ विश्वविद्यालय @102 साल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 102 साल का सफर शुक्रवार पूरा हो गया। 25 नवंबर, 1920 को स्थापित यह विश्वविद्यालय अपने स्वर्णिम इतिहास के साथ वर्तमान में भी विश्व स्तर पर चमक रहा है। प्रो. बीरबल साहनी, प्रो. राधा कमल मुखर्जी, प्रो. राधा कुमुद मुखर्जी, प्रो. वीएस राम, प्रो. डीपी मुखर्जी जैसे तमाम विद्वान शिक्षकों ने विश्वविद्यालय को नई पहचान दिलाकर विश्व में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जैसे राजनीतिज्ञ से लेकर कई न्यायाधीश, आइएएस, आइपीएस, वैज्ञानिक, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी यहीं के छात्र रहे हैं। 102 वर्ष के इस सफर में नैक ए प्लस प्लस ग्रेड से लेकर शिक्षकों, शोध कार्यों एवं तमाम उपलब्धियों के साथ विश्वविद्यालय ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

आज भव्य आयोजन, दिखाई जाएगी डाक्यूमेंट्री : स्थापना के 102 वर्ष पूरा होने पर विश्वविद्यालय शुक्रवार को समारोह का भव्य आयोजन करेगा। शाम पांच बजे मालवीय सभागार में होने वाले इस आयोजन में छह विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय तीन साल की उपलब्धियों पर अपनी रिपोर्ट भी जारी करेगा। इसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने मालवीय सभागार में नृत्य नाटिका, ग्रुप डांस आदि का अभ्यास किया। दोपहर साढ़े तीन बजे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने यहां का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि समारोह में लवि पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई जाएगी।

इन्हें मिलेगा सम्मान : राष्ट्रीय विधि आयोग नई दिल्ली के चेयरमैन जस्टिस रितुराज अवस्थी, महाराष्ट्र सरकार में मुख्य सचिव आइएएस मनु कुमार श्रीवास्तव, फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद के निदेशक अनिल भारद्वाज, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल, भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड के पूर्णकालिक सदस्य आइएएस जयंती प्रसाद, दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल।

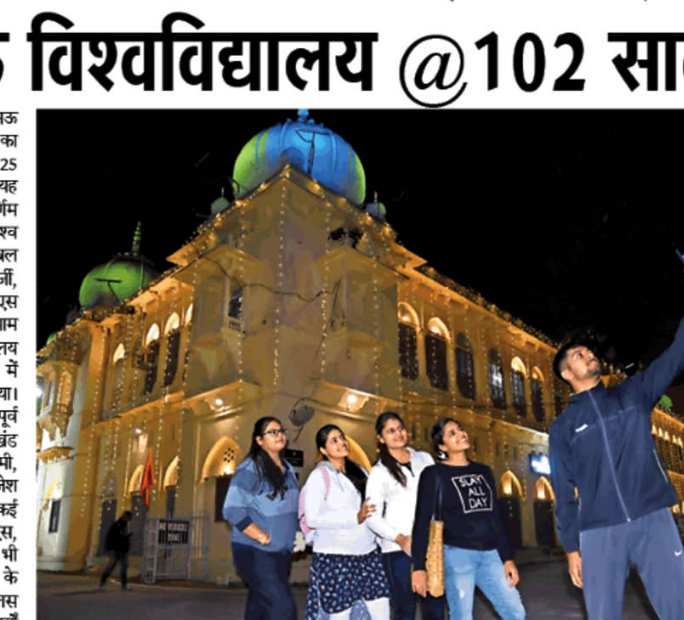

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रोशनी से जगमग लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के सामने सेल्फी लेते विद्यार्थी ● ह्रदेश चंदेल

द्रोणाचार्य के नाम से होगा अतिथि कक्ष

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हबीबुल्लाह छात्रावास में सभी सुविधाओं के साथ तैयार किए गए अतिथि कक्ष का नाम तय हो गया है। कमरा नंबर 79 का नाम द्रोणाचार्य अतिथि कक्ष होगा। पूर्व और वर्तमान छात्रों से बातचीत के बाद नाम पर सहमति बनी है। दिसंबर के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन होने की योजना है। जल्द ही तिथि तय होगी। इसके अलावा अतिथि कक्ष बनने की तैयारी वाला कमरा नंबर 80 का नाम एकलव्य रखने पर मंथन चल रहा है। बीते दिनों बस्ती के हरैया विधानसभा के विधायक अजय सिंह ने अतिथि कक्ष के लिए 51 हजार रुपये तक का खर्च वहन करने की घोषणा की थी। इस कमरे में वाई-फाई की सुविधा पहले से ही है।

हबीबुल्लाह छात्रावास में 100 कमरे बने हैं। प्रोवोस्ट डा. महेंद्र अग्निहोत्री बताते हैं कि अभी तक छात्रावास में कोई भी अतिथि कक्ष नहीं था। छात्रों के माता-पिता मिलने आते हैं तो उनके रुकने के लिए कोई जगह नहीं थी। अब प्रथम तल पर कमरा नंबर 79 को अतिथि कक्ष के रूप में तैयार किया जा रहा है। पूर्व छात्र अजय सिंह आदित्य ने इसका खर्च वहन किया है। उन्होंने छात्रावास के कमरा नंबर चार में रहकर पढ़ाई की है। कमरे में वाई फाई, सोफा, सेंटर टेबल, डबल बेड सहित कई सुविधाएं हैं। छात्रों के माता-पिता या फिर 15-20 साल या उससे पुराने एल्युमिनाई को रुकने की अनुमति दी जाएगी। इसके एवज में 200 रुपये शुल्क लगेगा। गौरतलब है कि हबीबुल्लाह छात्रावास का निर्माण वर्ष 1938 में शुरू हुआ था।

हबीबुल्लाह छात्रावास में कमरा नंबर 79 को बनाया गया है अतिथि कक्ष ● जागरण

टैगोर लाइब्रेरी और संग्रहालय देखने पहुंचे विद्यार्थी

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में टैगोर लाइब्रेरी और संग्रहालय खोले गए हैं। गुरुवार को टैगोर लाइब्रेरी का 100 से ज्यादा लोगों ने भ्रमण किया। इस दौरान पर्शियन एवं संस्कृत भाषा में लिखी पांडुलिपि, पाली भाषा में ताड़पत्र पर लिखी महाभारत, सोने के पानी से लिखी कुरान आकर्षण का केंद्र रही। एके हल्दर, सुधीर रंजन सहित कलाकारों की पेंटिंग, सोप स्टोन से बनी कृलाकृतियां देख लोगों ने सेल्फी भी ली। यहां रखी भारतीय संविधान की प्रति भी देखी। भू-गर्भ विज्ञान में हजारों साल पुराने हाथ दांत देखने भी लोग पहुंचे।

PIONEER PAGE 4

अवध के ताल्लुकेदारों की ख्वाहिश थी लखनऊ विश्वविद्यालय

● 102 वर्ष का हुआ लखनऊ विवि

लखनऊ। लखनऊ विवि ने 102 वर्ष का सफर पूरा कर लिया है। इसके इतिहास पर नजर डालें तो उस समय केवल इलाहाबाद विवि था। अवध के ताल्लुकेदारों की ख्वाहिश थी कि कॉल्विन कॉलेज में 12वीं तक पढ़ाई के बाद उनके बच्चे लखनऊ में ही बेहतर उच्च शिक्षा ग्रहण करें। यहां से लखनऊ विवि स्थापित करने को सोच शुरू हुई। राजा महमूदाबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान बहादुर ने विवि की बुनियाद रखी। इस कार्य में यूनाइटेड प्रोविंस के लेफ्टिनेंट गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने अहम भूमिका निभाई। कहा जाता है कि बटलर के शिक्षा के प्रति रुझान के बारे में राजा महमूदाबाद जानते थे। इसलिए द पायनियर अखबार में लेख के माध्यम से उन्होंने अवध में विश्वविद्यालय की जरूरत पर जोर दिया। यहीं से बटलर प्रभावित हुए। 10 नवम्बर 1919 को हुई एक बैठक में इसे आवासीय यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला लिया गया। 12 अगस्त 1920 में लखनऊ विवि बिल कुंवर महाराजा सिंह द्वारा विधान परिषद में रखा गया। काफी चर्चा और संशोधनों के साथ 8 अक्टूबर 1920 को इसे पारित कर दिया गया। उस समय राजा महमूदाबाद और जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि इसके निर्माण के लिए दी। जबकि ताल्लुकेदारों ने 30 लाख रुपए चंदा इकट्ठा किया था। 25 नवम्बर, 1920 ही वो तारीख है जब लविवि के सुनहरे इतिहास की नींव रखी गई थी। विवि की स्थापना के समय कैनिंग कॉलेज और मेडिकल कॉलेज महिला शिक्षा के लिए आईटी कालेज को संबद्ध कॉलेज की मान्यता मिली। इलाहाबाद विवि से सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती को यहां का कुलपति बनाया गया था और उन्होंने 16 दिसम्बर, 1920 को 3000 रुपए प्रतिमाह की तनख्वाह पर पांच वर्ष के लिए उन्होंने कार्यभार संभाला। आगरा कॉलेज के मेजर टीएफओ डोनेल को 1200 रुपये प्रति माह वेतन पर कुलसचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। विवि का पहला दीक्षांत समारोह 30 अक्तूबर 1922 में केजीएमयू के परिसर में हुआ। चांसलर सर हारकोर्ट बटलर ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत की घोषणा की। कुलपति ने डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर की पहली मानद उपाधि सर हारकोर्ट बटलर को दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय अपनी डिग्री जारी करने की शक्ति का इस्तेमाल कर रहा है।

नैक से ग्रेडिंग के बाद पहला स्थापना दिवस

लखनऊ। स्थापना दिवस को लेकर विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 2 वर्ष पूर्व हुए शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए बताया कि इसी दिवस पर आयोजित विगत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालय को वर्चुअल ही संबोधित किया था। नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड की प्राप्ति के पश्चात विश्वविद्यालय का यह पहला स्थापना दिवस होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में योगेंद्र उपाध्याय,उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में दयाशंकर सिंह परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश होंगे। इसके साथ ही 6 विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस को देखते हुए परिसर में दो दिन म्यूजियम व लाइब्रेरी खुली रहेगी। एनआईआरएफ रैंकिंग को लेकर प्रो. राय का कहना था कि नैक का मूल्यांकन पांच वर्ष के डेटा के आधार पर होता है। वर्ष 21-22 में हम एनआईआरएफ रैंकिंग में आ चुके है। अब इधर के डेटा के आधार पर विवि एनआईआरएफ की रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयारी करेगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

एलयू का 102वां स्थापना दिवस आज

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हाल में होने वाले 102वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के पूर्व गुरूवार को प्रशासनिक भवन स्थित मंथन कक्ष में प्रेसवार्ता आयोजित हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं का स्वागत किया और आज से 2 वर्ष पूर्व हुए सत्ता व्यापी शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए बताया कि इसी दिवस पर आयोजित विगत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालय को वर्चुअल ही संबोधित किया था तथा अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की थी। उन्होंने कहा कि नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड की प्राप्ति के पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होने वाला यह पहला स्थापना दिवस होगा। आज होने वाले स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम के पूर्वार्ध में अतिथियों द्वारा आशीर्वाद एवं सम्मानित विशिष्ट पूर्व छात्रों का वक्तव्य होगा वही उत्तरार्ध में विश्वविद्यालय के ही पूर्व छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार करेंगे वही विशिष्ट अतिथि के रुप में दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री, उत्तर प्रदेश, तथा हिंदुस्तान अखबार के मुख्य संपादक शशि शेखर पधार रहे हैं। इसके साथ ही 6 विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान भी उपस्थित अतिथियों द्वारा किया जाएगा। कुलपति ने सभी का परिचय एवं समाज को उनके द्वारा प्राप्त अति विशिष्ट योगदान से अवगत कराया। प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की ऑर्गेनाइजिंग टीम के सदस्यों की उपस्थिति भी रही।

AMRIT VICHAR PAGE 6

102 वर्ष का हुआ लखनऊ विश्वविद्यालय

कुलपति बोले, विकास की राह को और आगे ले जाएंगे, चाहे आएं कितनी भी चुनौतियां

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। विश्वविद्यालय अपना 102 साल का गौरवमई सफर में आज प्रवेश कर रहा है। शुक्रवार को मालवीय सभागार में शाम पांच बजे से स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय अपने छह पूर्व विशिष्ट छात्रों को सम्मानित करेगा। गुरूवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के 102वें स्थापना दिवस समारोह को लेकर मंथन कक्ष में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि विवि के विकास की राह को और आगे ले जाएंगे चाहे जितनी भी चुनौतियां आएं।

उन्होंने बताया कि दो साल पहले इसी स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वविद्यालय को वर्चुअल ही संबोधित किया था और अपनी शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने बताया कि नेक में ए प्लस प्लस ग्रेड हासिल करने के बाद विश्वविद्यालय द्वार आयोजित होने वाला यह पहला स्थापना दिवस होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और विशिष्ट अतिथि के रूप में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह होंगे। इसके साथ ही 6 विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान भी अतिथियों द्वारा किया जाएगा। प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की ऑर्गेनाइजिंग टीम के सदस्यों की उपस्थिति भी रही।

स्थापना दिवस

विवि से जुड़े हैं 545 कॉलेज

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना सफर दो कॉलेजों से शुरू किया और अब विवि से संबंधित 545 कॉलेज हैं। 1921 में लखनऊ विश्वविद्यालय से सिर्फ दो कॉलेज आईटी कॉलेज, किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज जुड़े थे। उसके बाद यह कारवां आगे बढ़ता गया। मौजूदा समय में यह तादात 545 पहुंच गई है। इनमें 34 अनुदानित, 14 राजकीय कॉलेज, 497 प्राइवेट कॉलेज शामिल हैं।

102 वर्षों का स्वर्णिम ऐतिहासिक सफर

लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर यानी आज 102 साल का स्वर्णिम ऐतिहासिक सफर पूरा करने जा रहा है। 25 नवंबर 1920 को स्थापित इस विश्वविद्यालय की नींव कैनिंग कॉलेज के रूप में एक मई 1864 में रखी गई थी। इसके बाद से इस सफर में यहां के तमाम श्रेष्ठ शिक्षकों और छात्रों की वजह से विश्वविद्यालय आज देश- विदेश में मान बढ़ा रहा है। शुक्रवार को स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय अपने छह पूर्व विशिष्ट छात्रों को सम्मानित करेगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

विशेष खबर — स्थापना दिवस समारोह आज, तैयारियां पूरी, विशिष्ट पूर्व छात्र होंगे सम्मानित

ज्यों-ज्यों बढ़ी उम्र, त्यों-त्यों जवान होता गया लविवि

शैलेन्द्र श्रीवास्तव(vol)

लखनऊ। कहते हैं कि ज्यों-ज्यों किसी की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे वह बूढ़ा अथवा पुराना और निर्बल होता जाता है, लेकिन यह भी सच है कि किसी बुजुर्ग के पास अनुभवों का जो खजाना होता है, वह किसी नौजवान को ऊर्जावान बना सकता है। किसी संस्था अथवा भवन के संबंध में भी कह सकते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ वह भी पुराने तो होते हैं, लेकिन उनसे भी सीखने को भरपूर मिलता है। कहने का तात्पर्य यह कि आयु बढ़ने के साथ परिपक्वता भी बढ़ती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ भी ऐसा ही कुछ है। सीधे शब्दों में कहा जाये तो ज्यों- ज्यों उम्र बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे लखनऊ विश्वविद्यालय जवान होता जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना काल से देखा जाये, तो उसकी उपलब्धियों दिन ब दिन बढ़ीं और वह नित्य नयी ऊंचाइयां छूता जा रहा है। 25 नवंबर को विश्वविद्यालय का 102वां स्थापना दिवस है। एक सैकड़ा से अधिक उम्र पार कर चुके इस विश्वविद्यालय की जवानी और आधुनिकता इसी से समझी जा सकती है कि हाल ही में नैक मूल्यांकन में इसे ए++ ग्रेड मिला है, जो अभूतपूर्व है। प्रदेश में ए++ पाने वाला यह पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1867 में हुई थी लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1920 को 1 नवंबर को उपराज्यपाल की सहमति प्राप्त हुई और 25 नवंबर 1920 को गवर्नर जनरल ने की।

यही दिन लखनऊ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस माना गया। अब विश्वविद्यालय 102 वर्ष का हो रहा है, पर उपलब्धियों के लिहाज से यह दिन ब दिन जवां होता जा रहा है। विश्वविद्यालय में अब सात संकाय से संबद्ध 59 विभाग संचालित किये जा रहे हैं। ए++ ग्रेड ने विश्वविद्यालय की बुलंदियों के लिए नया द्वार खोल दिया है। इसी का नतीजा है कि विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग संकाय है और देश के प्रतिष्ठित ओएनजीसी जैसी कंपनियां छात्रों के चयन के लिए आ रही हैं। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में छात्रों का चयन भी हो रहा है। उन्हें अच्छे वेतन पर नौकरी मिल रही है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय में डिजिटलीकरण के चलते साइबर लाइब्रेरी जैसे सुविधाएं भी छात्रों को मिल रही हैं। छात्र-शिक्षक अनुपात को सुधारने के लिए लगातार शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है, ताकि छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा मिल सके। लखनऊ विश्वविद्यालय अब प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों के लिए सर्वोत्तम ग्रेडिंग हासिल करने का प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक बना गया है। बीते 102 वर्षों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को शब्दों में बयां करना मुश्किल सा है। इस विश्वविद्यालय ने कई बड़े राजनेता से लेकर प्रशासनिक अधिकारी, न्यायाधीश तक दिये हैं। यहां के पढ़े छात्र देश-प्रदेश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी काबिलियत का डंका बजा रहे हैं।

शुक्रवार को विवि में होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय गुरुवार को मंथन कक्ष में पत्रकारों से रूबरू हुए। इसमें उन्होंने अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान तो किया ही, यह भी बताया कि शताब्दी वर्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वविद्यालय को वर्चुअली संबोधित किया था तथा अपनी शुभकामनाएं प्रेरित की थीं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कार्यक्रम सबसे पहले अतिथियों द्वारा आशीर्वाद एवं सम्मानित विशिष्ट पूर्व छात्रों का वक्तव्य होगा। इसके बाद विश्वविद्यालय के ही पूर्व छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और विशिष्ट अतिथि के रुप में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और वरिष्ठ पत्रकार शशि शेखर मौजूद रहेंगे। साथ ही छह विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान भी किया जायेगा।

ये विशिष्ट पूर्व छात्र होंगे सम्मानित
- जस्टिस रितुराज अवस्थी, चेयरमैन, राष्ट्रीय विधि आयोग
- शशिप्रकाश गोयल, अपरमुख्य सचिव, मुख्यमंत्री
- मनु कुमार श्रीवास्तव, आईएएस
- अनिल भारद्वाज, वैज्ञानिक
- जयंतीप्रसाद, आईएएस
- आशुतोष शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार

TOI PAGE 3

LU lights up, wears a festive look on foundation day eve

All Events To Be Live Streamed

Times News Network

Manoj Chhabra

CELEBRATIONS BEGIN: Lucknow University shining in all its glory ahead of its 102nd foundation day

Lucknow: The campus of Lucknow University (LU) was all decked up with special lighting and flags of the university and its affiliated colleges in Lucknow and other districts on the eve of its 102nd foundation day.

LU opened the gates of all museums for its students to explore its rich and historical collections.

From viewing rare manuscripts and paintings by renowned painters Asit Kumar Haldar and Khastigiri to gem and fossil collections in the geology department, university students viewed and clicked the rare exhibits on the campus. "We have opened the gates of all our museums for students and the public from 10am till 5 pm. Anyone can visit the campus on foundation day and have a look at the rich collection," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said the celebration will begin at around 5 pm with the felicitation of illustrious alumni who will be sharing their memories and success stories with students and teachers. Later in the evening, the university will host a grand cultural evening.

"We have made sure that the foundation day celebration reaches all our former students. Hence, the event will be live-streamed on all social media platforms and on LU's official Youtube channel," said Srivastava.

He said state minister of higher education Yogendra Upadhyay and state transport minister Dayashankar Singh will be special guests on the occasion.

The former students who will be honoured on the occasion will be Justice Rituraj Awasthi (chairman of National Law Commission, New Delhi), Manu Kumar Srivastava (IAS), Shashi Prakash Goyal (IAS), Jayanti Prasad (IAS), senior journalist Ashutosh Shukla and director of the Physical Research Laboratory Anil Bhardwaj.

HT PAGE 3

LU'S 102ND FOUNDATION DAY TODAY

LUCKNOW: The Lucknow University will celebrate its 102nd Foundation Day on Friday, said Alok Kumar Rai, vice-chancellor (V-C), on Thursday.

Yogendra Upadhyay, minister of higher education, and Dayashankar Singh, transport minister and chief editor of Hindustan newspaper, Shashi Shekhar, will be coming as the chief guests in the programme, Rai said.

"This is for the first time a formal event is being organised on the university premises after achieving A++ grade in NAAC," he added while briefing the media.

"This year for the first time we have invited six notable alumni from different fields. The programme will be conducted in two parts. In the first half of the programme, the special alumni will share their journey and experience and will also be honoured by the guests. While, in the second half, cultural programmes will be organised by the former students of the university itself," Prof Rai said.

HTC